

कार्वाई की। अब जल्द ही इस ग्रीन बेल्ट का सौंदर्यीकरण होगा, जिससे जानकीपुरम विस्तार में हरियाली बढ़ेगी और अपार्टमेंट्स की सुंदरता निखरेगी। स्थानीय निवासियों ने इस फैसले पर प्रसन्नता जाहिर की है और लखनऊ विकास प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया है।

कालेजियम का कवच और न्यायपालिका की साख पर उठते सवाल

जिस देश की अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़ मुकदमे फैसले का इंतजार कर रहे हैं लाखों लोगों को जीवन भर अदालतों की चौखट पर सिर पटकने के बाद भी न्याय नहीं मिल पाता है वहीं न्याय के देवता अकूत संपदा जमा कर ऐसी व्यवस्था बनाए बैठे हैं कि उनके कारनामों की सहज शुचिता भरी जांच भी उन्हीं के कुलदेवताओं की मज्जी पर टिकी है? क्या हमारी न्याय व्यवस्था विश्वास के संकट के दौर में नहीं है? न्यायालय के एक न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के एक कमरे से कथित रूप से बेहिसाब नगदी की बरामदगी ने देश के जनमानस को न्यायिक तंत्र में पैर जमा रहे भ्रष्टाचार पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है वहीं आम आदमी की मन मस्तिष्क में न्याय पालिका के लिए बनी साख पर भी जबरदस्त कुठाराघात किया है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की एक जांच समिति गठित की है। वहीं पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गलत सूचनाओं को दूर करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक की है। इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष दिया है कि पूरे मामले की गहन जांच की आवश्यकता है। ऐसा जरूरी भी था क्योंकि उच्च न्यायपालिका की ईमानदारी और विश्वसनीयता दाव पर है। हालांकि, न्यायाधीश ने दावा किया है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। कोई भी व्यक्ति जिसके घर दफ्तर या लाकर से बिना हिसाब किताब का आय से अधिक धन या सम्पत्ति मिलता है तो वह इसी तरह अपना बचाव कराता है और यहाँ तो मामला चालीस साल से वकालत और न्यायिक अधिकारी के रूप में कार्यरत व्यक्ति से जुड़ा है तो उन्हें अपने बचाव के लिए ऐसा ही तमाम बातें बनानी होंगी। इस बेयान ने भी कई सर्वालों को जन्म दिया है। सवाल उठता जा रहा है कि कड़ी सुरक्षा में रहने वाले सरकारी आवास में क्या बिना जानकारी के पैसा रखा जा सकता है? तो क्या किन्हीं आवासीय कर्मचारियों या बाहरी लोगों ने ऐसा कृत्य किया? यदि यह वास्तव में जज को फंसाने की सजिश थी, तो उसमें कौन

गंगा शामिल थे? निश्चित रूप से ऐसे सवाल का जवाब मिलने में विलंब से अविश्वास की धुंध और गहरी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपनाए गए ऐतिहासिक ५०%न्यायिक जीवन के मूल्यों का पुनर्कथन% में यह निर्दिष्ट किया गया था कि किसी न्यायाधीश द्वारा ऐसे कोई कार्य या चूक नहीं होनी चाहिए, जो उनके उच्च पद और उस पद के प्रति सार्वजनिक सम्मान के अनुरूप न हो। निस्पृह, न्यायपालिका में जनता के विश्वास को कम करने वाले किसी भी विवाद को गहरी जांच होनी चाहिए। साथ ही जरूरी है कि जांच निष्पक्षित समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूरी हो। वास्तव में सत्य, न्याय और न्यायिक जायबदेही के हित में ऐसे मामलों में कार्यावाही को तेजी से आगे बढ़ाने का दायित्व अदालतों और जांच एजेंसियों का है।

सवाल उठता है कि 14 मार्च को हुई आग लगने की घटना के साथ ही जज साहब के आवास के एक कमरे में बोरों में रखे करोड़ों के नोट धक्क करहे में तब इस बात के जाहिर होने के बाद भी जिम्मेदार व्यवस्था और न्यायपालिका के सर्वेसर्वा माननीय सीजेआई महोदय ने इस मामले की जांच या भ्रष्टाचार के खुलासा के लिए पर्याप्त सक्रियता दिखाई या नहीं दिखाई और मामले पर पर्दा डालने की भरपूर कोशिश की गई। यदि ऐसा नहीं है तो 14 मार्च की इतनी बड़ी घटना को सात दिन तक सीटिया से छिपा कर क्यों रखा गया। फायर विभाग के कर्मचारियों द्वारा आग बुझाने के दौरान बड़ी मात्रा में अधजले नोटों की आग बुझाने की विडियो बना ली गई और अधिकारियों को जानकारी दी गई अधिकारियों ने पुलिस और प्रशासन के जानकारी दी न्यायपालिका के जिम्मेदार तंत्र को भी सूचित कर दिया गया लेकिन मामले पर पांच छह दिन तक अदालत और जज साहब से जुड़ा मामला होने का दावा बना रहा लेकिन अंततः भांडा फूट गया जब कोलैजियम द्वारा संभोधित जज साहब का दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरण कर मामले को दबाने का नाकाम कोशिश की गई। सवाल उठे न्यूज चैनल पर सनसनी बनी सोशल मीडिया पर मीम बने तो एक बार फिर एक फायर सर्विस अधिकारी से

है। मात्रा में नोटों के बरों की बरामदगी से इंकार कराया गया यहां तक कि जज साहब के ट्रांसफर को भी इस घटना से इस सामान्य तौर पर रूटीन ट्रांसफर बता कर पल्ला झाड़ने की कोशिश की गई।

सवाल उठता है कि क्या एक सिपाही को दो सौ रुपये की रिश्वत लेने पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने वाली कोकान व्यवस्था के सरमाएदार अपने ही एक हाइकोर्ट के जज साहब के सरकारी आवास पर इतनी बड़ी करेंसी जलने की घटना पर मिट्टी क्यों डाल रहे हैं? क्या शीर्ष अदालत के जिम्मेदार पद पर रहने वाली आसीन माननीय को अपनी निष्पक्ष छवि बनाते हुए मामले का पता चलते ही संबंधित जज साहब के आवास की जामा तलाशी नहीं करनी चाहिए थी जब एक कमरे में कथित करीब पंद्रह करोड़ की नकदी स्वाहा होने का अनुमान है तो बाकी कमरे की आलमारी और लॉकरों में कितना ज्वैलरी बेनामी सम्पत्ति मिल सकती थी। यदि एक बारगी जज महोदय के स्पष्टीकरण बयान पर ही भरोसा किया जाए कि नकदी उनकी जानकारी में नहीं थी फंसाने का षडयंत्र हो सकता है क्या पता बाकी कमरों में भी किसी ने उन्हें फंसाने के लिए अकूत संपत्ति रख दी हो? ऐसा लगता है कि इस मामले में सिर्फ लोपोपकी की जा रही है जांच के लिए अब इंदी आयकर विभाग नेतम भ्रष्टाचार निवारण तंत्र के अधिष्ठानों को क्यों सक्रिय नहीं किया गया? क्या न्यायाधीश पद का असली फायदा यही है कि कालेजियम कवच बन जाता है। अगर लगने की घटना के ठीक तेरह दिन बाद पुलिस कथित जांच के लिए सिर्फ स्टोर रूम तक पहुंच पाती है? ऐसी जांच से कोई खास पारदर्शी निष्पक्ष निष्कर्ष सामने आने की उम्मीद करना भी सिर्फ तसल्ली देने जैसा है। इस मौजूदा व्यवस्था को कालेजियम की व्यवस्थाओं को क्या इस भ्रष्टाचार के संरक्षण के लिए ही प्रभावी बनाया गया है?

घिरे न्यायाधीश के प्रति कथित सख्त
रवैया अपनाते हुए उन्हें न्यायिक
कामकाज से अलग रखने के निर्देश दिए
हैं। सार्वजनिक विमर्श में उनका तबादला
इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की चर्चा भी
रही। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने
जस्टिस वर्मा के घटनाक्रम से जुड़े
कॉल्स सुरक्षित रखने को कहा है।

अदालत ने पिछले छह माह के कॉल रिकॉर्ड भी पुलिस से मांगे हैं। वहाँ दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने पुलिस स्टेशन रिकॉर्ड वीडियो, तस्वीरें व शुरुआती जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक विमर्श में ला दी है। निश्चित रूप से न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से बेदाग होने की उम्मीद की जाती है। लेकिन यह पहला मौका नहीं है पूर्व में भी कई राज्यों के हाइकोर्ट तथा अधीनस्थ अदालतों के जजों क आचरण प्रतिकूल मिलने के मामलों की काफी तादाद है। समझ सकते हैं कि अन्याय के विरुद्ध उम्मीद की अंतिम किशोरा लेकर व्यक्ति न्याय की चौखट पर दस्तक देता है। यदि यह भरोसा भी टूट जाएगा तो देश के सामने अराजकता और बदअमनी के माहौल की हालात बन सकती हैं। निस्संदेह, न्याय व्यवस्था का सवालतों के घेरे में आना एक गंभीर मुद्दा है। इस घटनाक्रम से न्याय व्यवस्था पर जो बदनुमा छिंटे आए हैं, उन्हें पूरी निष्ठा और ईमानदारी से साफ करना जरूरी है। उम्मीद करना चाहिए है कि शीर्ष अदालत द्वारा गठित जांच समिति साच को सामने लाने में पारदर्शी व निष्पक्ष कार्रवाई करेगी। लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ की शुचिता साख अक्षुण्ण रखने के लिये यह बहुत जरूरी भी है। निस्संदेह, न्यायपालिका का लक्ष्य सिर्फ संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना ही नहीं है बल्कि सार्वजनिक जीवन में निष्पक्षता, ईमानदारी और विश्वसनीयता के मूल्यों के आदर्शों को स्थापित और पोषण करना चाहिए। लेकिन न्यायपालिका में पूर्ण सम्मान के साथ बहुत विनम्रता के साथ बिना किसी पूर्वाग्रह के लिखना पड़ता है कि मौजूदा मामले में जिस तरह की सुस्त लचीलापन लिए प्रक्रिया अपनाई गई है वह स्वयं में ही एक सवाल खड़े करती है यह एक लोकतांत्रिक देश की स्वतंत्र अस्तित्व वाली न्यायपालिका के लिए आत्मावलोका की गंभीर जरूरत और उसमें पने पड़े कथित कदाचार व भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्काल सटीक और भवानी कार्यवाही की जरूरत पर बल देती है। लेकिन कालेजियम के जरिए भाई भतीजे परिवार जन को पीढ़ी दर पीढ़ी न्यायपालिका की सर्वोच्च पदों पर आसीन करने वाली व्यवस्था ऐसा कर पाएगी इस में संदेह है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम

दिनांक 21 से 23 मार्च तक बंगलूरु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरे के पावन पर्व पर हुई थी, और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरे के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयता का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अनेक कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयता का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है। सज्जन शक्ति समाज की दह शक्ति है कि जिनकी बाना समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयता का भाव जागरूक ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं।

संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की संपन्न वृद्धि पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगभग 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले हुए सफलतापूर्वक समारोह महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू समावलोकियों ने परिवर्तन विरोधी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवतः पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में सम्पन्न हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई देती है। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है।

संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज

के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संचय की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 के 73, 117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83, 129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2022/23 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई है। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं। महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है।

उक्त विगत शाखाओं के मध्यम से आज
संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव
हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों
की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों
की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष
2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही,
कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों
में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर
में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर
हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की
शाखा पुष्टि गई है। संघ द्वारा विभिन्न श्रेणियों
था चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षक, सेवा
निवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारी, प्रवक्ता,
प्रोफेसर, युवा उद्यमी जैसी श्रेणीयों के लिए
साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम भी आयोजित किए
जते हैं। आज देश भर में 32,147 साप्ताहिक
मिलन लगाए जा रहे हैं। साथ ही, संघ मंडलियों
का गठन भी किया गया है और आज देश भर
में 12,091 संघ मंडलियाँ भी नियमित रूप से
लगाई जा रही हैं। भारत में संघ द्वारा चलाए जा



रहे विभिन्न सेवा कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से 37,309 सेवा बस्तियां हैं। इनमें से 9,754 सेवा बस्तियां संघ की शाखा से युक्त हैं।

संघ के स्वयंसेवकों का प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देश भर में प्राथमिक शिक्षा वर्ग भी लगाए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में कुल 1,364 प्राथमिक शिक्षा वर्ग लगाए गए एवं इन प्राथमिक शिक्षा वर्गों में 31,070 शाखाओं के 106,883 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यक्रम हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ स्थापित किए गए। विश्वभर में 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारकर्ता भी निकले हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से भारत से नई उड़ान भर रहे युवाओं को जोड़ा जाता है ताकि एक तो विश्वों में इनकी कठिनाईयों को दूर किया जा सके तथा दूसरे इन्हें सनातन संस्कृति के भाव को जागृत किया जा सके। साथ ही, नए युवाओं के भारत में रह रहे बुजुर्ग माता पिता से भी सम्पर्क बनाया जाता है। संघ के स्वयंसेवक भारत में इनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास भी करते हैं। भारत में धार्मिक पर्यटन पर आने वाले भारतीय मूल के नागरिकों की सहायता भी संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जाने का प्रयास किया जाता है तथा भारतीय मूल के नागरिक यदि भारत में वापिस आकर बसने के बारे में विचार करते हैं तो उन्हें भी इस सम्बंध में उचित सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू सनातन संस्कृति को भारत के जन जन के मानस में प्रवाहित करने का कार्य करने का प्रयास कर रहा है ताकि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रपिता की भावना जागृत हो एवं उनके लिए भारत प्रथम प्राथमिकता बन सके। यह कार्य संघ की शाखाओं में प्रशिक्षित होने वाले स्वयंसेवकों द्वारा समाज के बीच में जाकर करने का सफल प्रयास किया जा रहा है। और, यह कार्य आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने के लिए एक आवश्यक आवश्यकता भी बन गया है।

अब राणा सांगा को लेकर जंग का आगाज

हमारा मुल्क बिना जंग के रह नहीं सकता। हम बमुश्किल औरंगजेब से फ़ागिर हुए थे कि गुर्जर रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा को मैदाने जंग में ला खड़ा किया। राणा सांगा की और से अब ये लड़ाई करणी सेना लड़ रही है और सुमन की और से अखिलेश यादव की यादवी सेना। हम आम जनता मुकदमस कबने इस जंग को देख रहे हैं। हम न इस जंग का हिस्सा बन सकते हैं और न हमारी इस जंग का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी है। हाँ हमारी दिलचस्पी इस बात में जरूर है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े सूबे की उत्तरदायी सरकार कैसे एक निर्वाचित संसद को सुरक्षा प्रदान नहीं कर पाती। राणा सांगा के बारे में जानने से पहले आप रामजी लाल सुमन के बारे में जान लीजिए। कोई 48 साल का संसदीय अनुभव रखने वाले रामजीलाल सुमन चंद्रशेखर से लेकर मुलायम सिंह जैसे कद्दावर नेताओं के भरोसेमंद और विश्वसनीय साथ रह रहे हैं। 25 जुलाई 1950 को हाथरस जनपद के बहदौड़ गांव में जन्में रामजीलाल सुमन की प्राथमिक शिक्षा गांव में हुई। उनकी माध्यमिक शिक्षा हाथरस में और उच्च शिक्षा आगरा कॉलेज में हुई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन पहली बार 1977 में लोकसभा पहुंचे थे। यानि हमारे सुमन जी हमारे प्रधानमंत्री जी की उम्र के हैं और उनसे पुराने सांसद हैं। उन्हें इतिहास का ज्ञान भी कम नहीं है।

आपको बता दें कि रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में कहा था, अगर मुसलमानों को बाबर का वंशज कहा जाता है, तो हिंदू गद्दार राणा सांगा के वंशज होने चाहिए। हम बाबर की आलोचना करते हैं, लेकिन राणा सांगा की आलोचना क्यों नहीं करते ? सुमन ने सवाल किया था, जंगे ऐलान नहीं। कोई राजपूत, कोई हिन्दू हृदय सम्राट सुमन की सवाल का शास्त्रोक्त जबाब देकर मामला शांत कर सकता था ,लेकिन दुर्भाग्य की जबाब देने के लिए पढ़े-लिखे लोगों का टोटा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सुमन के इस बयान का समर्थन किया है। इसके बाद विवाद शुरू हो गया है। सुमन ने यह भी कहा था कि आखिर बाबर को भारत कौन लाया। यह राणा

सांगा ही थें जिन्हांन बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था। अब गवाही कि लिए न इब्राहिम लोदी आ सकते हैं और न राणा सांगा। बाबर को भी समन नहीं किया जा सकता। भरोसा इतिहास की किताबों पर ही करना होगा।

रामजलाल सुमन के बयान के बाद करणी सेना भड़क गयी। ये सेना राणा सागरा के समय में थी या नहीं, मैं नहीं जानता, लेकिन मुझे पता है कि ये वो सेना है जो एक फिल्म का विरोध करने के लिए सड़कों पर पहली बार उतरी थी। ये सेना भारतीय सेना का कोई ब्रिगेड है या नहीं ये भी मैं नहीं जानता। हमारे देश में भारतीय सेना के अलावा भी अनेक सेनाएं हैं। इन सेनाओं पर कोई लगाम नहीं लगाता। एक जमाने में बिहार में ऐसी निजी सेनाओं का बहुत बोलबाला था, लेकिन बाद में सबकी बोलाती बंद होगयी। उत्तरप्रदेश में करणी सेना की बोलाती बंद नहीं हुई क्योंकि सूबे की सरकार ने इस सेना को तोड़फोड़ करने के लिए अधिमान्य कर रखा है अजय्य किसी भी निजी सेना की क्या मजाल कि वो 75 साल के एक प्रतिष्ठित नेता के घर को घेर कर वहां तोड़फोड़ करे और पुलिस को भी घायल कर दे ?

लोकतन्त्र में विरोध प्रदर्शन का अधिकार सभी को है। करणी सेना को भी, लेकिन विरोध प्रदर्शन के तरीके भी हैं। सुमन ने यदि कुछ गलत कहा है तो उनकी मुखलपुत राज्य सभा में जा जाये। यथा करनी सेना की और से एक भी राज्यपुत राज्य सभा में नहीं है जो खड़े होकर सुमन के बयान का विरोध कर सके ? करणी सेना को राज्यपुती अस्मिता की इतनी ही फिक्र है तो उसे पुलिस थाने जाना चाहिए अदालत जाना चाहिए, लेकिन इतना ठठमूँ कौन करेगा। सड़क पर आकर जंग लड़ना ज्यादा आसान है। कुणाल कामरा के खिलाफ महाराष्ट्र में इसी तर्ज पर शिवसेना [एकनाथ शिंदे समर्थ] ने भी लड़ाई लड़ी। कानून हाथ में लेने में उतनी मशक्कत नहीं करना पड़ती जितनी की कानूनी रूप से जंग लड़ने में करना पड़ती है। शिंदे समर्थकों को कुणाल कि मुंह से 'गद्दार 'शब्द बुरा लगा लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मुंह से नहीं। शिंदे का कोई समर्थक उद्धव के



घर ताड़फाड़ करने नहीं गया। ठीक इस तरह रामजीलाल सुमन के मुंह से गद्दा सशब्द सुनकर करनी सेना की आत्मघायल हो गयी।

चूक हमारा इस जग से सांध कास
सरोकार नहीं है इसलिए हम तमाशबीन
की हैसियत में हैं। तमाशबीन या तो
तालियां बजाते हैं या फिर सिटियाँ
तमाशा समाप्त होने पर पान चबाते या
गुटका खाते हुए अपने घरों को लौट
जाते हैं। राणा सांगा बनाम रामनल्लोड
सुमन की जंग में भी यही सब होत
दिखाई दे रहा है। सत्ता पोषित हिंसा के
हम सब मूक दर्शक हैं। हमारा कानून
भारही नहीं, उसे कोई भी अपने हाथ में
ले सकता है हालांकि हमारी बहादुर
पुलिस कानून को बचाने के लिए करण
सेना से पिट भी लेती है। पुलिस बनाई
ही गयी है पीटने-पीजने के लिए। जान
जैसा माँका होता है, तब तैसा हो जात
है। राणा सांगा हमारी राजबसभा में उस्त
तरह आये जैसे औरंगजेब और उनकर
कब्र आयी थी। भरे हुए लोगों को संस
में आने -जाने से कोई रोक नहीं
सकता। ये बिना चुनाव बंद संसद में
आ-जा सकते हैं और हंगामा खड़ा कर
वापस भी लौट सकते हैं। राणा सांगा क
भी हमने उसी तरह नहीं देखा जिस तर
की औरंगजेब को नहीं देखा था। राणा
की बहादुरी के किस्से हमने भी सुने
हैं, सुने हैं लेकिन देखे नहीं हैं। सुमन ने
भी नहीं देखे होंगे और करणी सेना ने
भी। सबने उनके बारे में वैसे ही पढ़ा
और सुना होगा जैसे की दूसरे
नायकों, खलनायकों, अधिनायकों के
बारे में पढ़ा और सुना जाता है।

अतीत के किरदारों को लेकर हमारे भावनाएं आग की तरह क्यों भड़कती हैं ,इसके बारे में शोध होना चाहिए



राज्यसभा सांसद ने?

हमारी भावनाएं छुई-मुई हैं जो हाल-कुहला जाती हैं, आहत हो जाती हैं। मजे की बात ये है कि आहत भावनाओं का कोई भेषजीय उपचार नहीं है। आहत भावनाएं केवल खून-खराबा और अराजकता पैदाकर अपना इलाज खुद करना चाहती हैं। रामजीलाल सुमन पर हमला कर, करनी सेना ने हिन्दू-मुसलमान नहीं बल्कि हिन्दू-बनाम हिन्दू संघर्ष को न्यूता दिया है। एक तरफ करणी सेना के हिन्दू हैं तो दूसरी तरफ वे हिन्दू हैं जो अनुसूचित जाति के कहे और माने जाते हैं। हमारी सरकार भी यही चाहती है कि लोग इसी तरह से अपनी धार्मिक, जातीय भावनाओं को आहत करते-करते रहे और लड़ते-लड़ते रहें। लेकिन मैं इसके खिलाफ हूँ, क्योंकि इस तरह की गतिविधियों से हमारे विश्वगुरु बनने के अभियान में खलल पड़ता है।

काश कि इस तरह के विवादों में पीड़ित पक्ष के रूप में खुद औरंगजेब या राणा सांगा की आत्माएं प्रकट होकर जंग लड़तीं। मुमकिन है कि वे लड़ती ही नहीं क्योंकि वे दोनों तो अब एक ही जगह पर पहुँच चुकी हैं। मरी हुई आत्माएं कभी, किसी से लड़ने नहीं आतीं ठीक वैसे ही जैसे नेहरू और इंदिरा भाजपा और माननीय मोदी जी से लड़ने नहीं आतीं। इसलिए हे भारतीय नागरिकों, जागो ! और, बिना बात के बवाल मत काटो । बवाल काटना भी है तो उन मुद्दों पर काटो जो आपके भविष्य से जुड़े हुए हैं। वर्तमान से जुड़े हैं। अतीत के लिए वर्तमान से लड़ना कतई बुद्धिमत्ता नहीं है।

राकेश अचल

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

बरेजोगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, निम्नशिक्षा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े पड़ें उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद मझारणा चुन पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तर्कियकलाम बच गया है कि इनमें बाबर का झिप्टाएँ हैं। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूँगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हरने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम मुसलमान अगर बाबर की औलाद हो, ये हिंदुस्तान में तय हो जाना चाहिए। बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते?

सासद सुमन की राज्यसभा में की गई
टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह
शेखवत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बहक
००० वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा
करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना
कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तयार
पर नहीं रख सकते। महात्मा गांधी ने आजादी
की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी
से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को
सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान
दिया। कुछ शुद्र और छोट डालते लोग ऐसी
बातें कहते हैं, लेकिन मुझे याद है कि ऐसी
चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला
मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को
मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को
हवा दी है। इससे पहले भी पेंडिंगका मुद्दों
पर देश में दरार डालने के प्रयास होसि रहे हैं।

बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पचावको को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय के फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-फोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इन विवादों का परिणाम यह निकला कि चित्तौड़गढ़ के किले में स्थित %पञ्चावती% महल में आजकल तत्वों ने उन शैलों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दक्षिण के मुसलमान आक्रमणखिलजी ने इन्हीं आईनों के जुरिए राजपूत रानी

पञ्चावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुँचा। धारावाहिक में खांडेवा होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहाँ, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेवा होल्कर को मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसकी लेकर रफ़ासन व कुहरे थाने में दो अलग-अलग एफ़आइआर दर्ज करवाई गईं। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को ममाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत काग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही।

कनाटक में टोपू सुल्तान को जनता माना कि लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग व थी कि वह टोपू सुल्तान की जयंती मनाया का कार्यक्रम और उन्हें महिमार्मिड करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टोपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और (एच) एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनुस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताया हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समारोह मनाए जाने को बिहार केसेरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तृप्तिकरण के तहत इतिहास



के साथ छेड़छाड़ की जा रही है।

गाँतलब ह कि पिछले दिना उतर प्रदेश क
संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर
नेताओं ने जम कर रैथियाँ कयी। इस
सेवादेशनील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग
मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में
इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में
दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय
अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह
देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर
होने को लेकर अदालतों में मामले दार किए
गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम
कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी। सुप्रीम
कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक पूजा स्थल
अधिना, तब तक देश में मंदिर-मस्जिद विवादों
से जुड़े नए मुकदमे दर्ज नहीं किया जा सकते,
और न ही कोई चल रहा मामला सर्वेक्षण या
अंतिम आदेश के साथ आगे बढ़ सकता है।

है कि विवादों पर तुरंत कर्मों में मोह लेना महत्वाकांक्षी और अंग्रेजों की कब्र को लेकर विवाद पैदा हो गया। इस पर भाजपा और विपक्ष दोनों ने आरोप-प्रत्यारोप लगा कर देश का माहौल गर्म करने में कोई कार्य-करसर बाकी नहीं छोड़ा। इमंका परिणाम यह हुआ कि नागपुर में हिंसा भड़क उठी। इसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। आम लोगों को कर्फ्यू के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे विवादों की चपेट में अक्सर देश का मजदूर, गरीब और कामकाजी वर्ग आता है। इन विवादों की जड़ में आसान सत्ता की राजनीति की चाहत है। दरअसल नेताओं को पता है कि देश की दुनियादी समस्याओं का समाधान आसान नहीं है, जबकि ऐसे विवादों के जरिए लोगों को बरसाला लाकर सत्ता आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्-58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपाजित उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल**, मो0- 7499472288 E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचरो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनाद कुमार यादव ने बताया है कि 3030 मिलेट्स पुनराद्वार कार्यक्रम के अन्तर्गत मिलेट्स मोबाइल आउटलेट स्टोर/मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकिंग सह विपणन केन्द्र/मिलेट्स ग्राहमी प्रोसेसिंग इकाई की स्थापना एवं सोडमनी हेतु कृषक उत्पादकों संगठन, उद्यमी, स्वयं सहायता समूह योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पोर्टल पर आनलाइन आवेदन दिनांक 30 मार्च 2025 तक कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

केशव नगर मद्रसा स्काई विल्ड्रेन एकेडमी के 2 बच्चों का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन।

मनकापुर गोण्डा। क्षेत्र के केशव नगर ग्रांट पश्चिमी केदराबाद में मद्रसा स्काई चिल्ड्रेन एकेडमी विद्यालय कक्षा पांच के दो छात्रों दिव्याश वर्मा पुत्र दिनेश कुमार वर्मा केशव नगर ग्रांट पश्चिमी और युवराज वर्मा पुत्र विजय प्रताप वर्मा मनकापुर चौबेपुर इन दोनों छात्रों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा छह में हुआ है। दो बच्चों का चयन होने पर विद्यालय में खुशी का माहौल है।बृहस्पतिवार को मुख्य अतिथि अरुण प्रताप सिंह उर्फ डिम्पल सिंह ने दोनों छात्रों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, और कहा कि नवोदय मे कक्षा छह में अपने मेहनत से स्थान पक्का करके अपने गुरुजनों, अभिभावकों व सभी मार्गदर्शकों का नाम रोशन किया है विद्यालय के प्रबंधक जावेद खान , एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक के.के.यादव, अध्यापक अभय प्रताप मिश्रा ने भी इन दोनों छात्रों को सम्मानित किया। बच्चों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों और गुरुजनों को दिया है। बच्चों की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी की लहर है।

परिवार नियोजन में उत्कृष्ट कार्य के लिए त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल को सम्मान

त्रिवेणीगंज।परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट कार्य करने पर त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. इन्द्रेव यादव को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



सुपौल जिले में परिवार नियोजन ऑपरेशन और पीपीएस ऑपरेशन में सर्वाधिक योगदान देने के लिए उन्हें यह सम्मान मिला। इस अवसर पर सुपौल के सिविल सर्जन डॉ. ललन कुमार ने उन्हें मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इसके अलावा, बिहार दिवस एवं जिला स्थापना दिवस के अवसर पर त्रिवेणीगंज के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रखंड लेखपाल आशीष कुमार को उनके विभागीय कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन और अपने दायित्वों के कुशल निर्वहन के लिए जिला अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल और समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है।

बलिया में कक्षा 1 के छात्र को शिक्षक ने बेरहमी से पीटा

बलिया (यूपी)। शिक्षा क्षेत्र रेवती से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। मामला कपोजित विद्यालय रेवती (वार्ड नंबर 8) है, जहां आठसक्लीम खरीदने गए कक्षा एक के छात्र को विद्यालय के शिक्षक ने बेरहमी से पीट दिया। प्राप्त



जानकारी के अनुसार जिला संवाददाता सैयद सेराज अहमद ने बताया कि शिक्षक की पिटाई से छात्र के हाथ और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। इससे छात्र न सिर्फ सदमे, बल्कि बहवास स्थिति में हैं। छात्र का एक वीडियो भी सामने आया है। वायरल वीडियो में छात्र डरा सहमा दिख रहा है। वह बता रहा है कि बर्फ खरीदने गया था, लौटा तो सर जी ने उसे डंडे से मारा। छात्र पीटने वाले सर का नाम भी बता रहा है। वायरल वीडियो में छात्र के शरीर पर छड़ी के चोट से बने निशान भी दिख रहा है। वहीं, वीडियो का सज्जन बीएसए मनीष कुमार सिंह ने लिया है। बीएसए ने कहा है कि खण्ड शिक्षा अधिकारी को जांच सौंपी गई है। रिपोर्ट मिलते ही सम्बंधित शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

सैंती में हंडपंप मरम्मत में घोटाले का आरोप: बिना काम के निकाल लिए 82 हजार रुपए, एक दिन में 3 बार निकाली रकम

टंडियावा/ हरदोई विकास खंड टंडियावा में हंडपंप मरम्मत के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। सैंती ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर बिना काम कराए ही लाखों रुपये निकाल लिए। इस मामले में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है।ग्राम पंचायत सैंती के निवासी मोनु गाजी ने डीएम को बताया कि गांव में पिछले 4 साल से कई इंडिया मार्क हंडपंप खराब पड़े हैं। गर्मी के मौसम में इससे पानी की गंभीर समस्या हो सकती है। नाजिर के घर के पास, महेंद्र और भयनू के घर के पास लगे हंडपंप पिछले 4 साल से काम नहीं कर रहे हैं। वहीं मंगल बाग बाजार में भी हंडपंप खराब है, जिससे राहगीरों को परेशानी होती है।

विद्यालय में बने स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब व बाउंड्री वॉल और भवन रिनोवेशन का लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। महात्मा गौतम बुद्ध उत्तर माध्यमिक विद्यालय जोगिया में गुरुवार को एडसिल इंडिया लिमिटेड के तत्वाधान में एक हेल्थ कैंप का उद्घाटन और महात्मा गौतम बुद्ध उत्तर माध्यमिक विद्यालय जोगिया में स्थापित दो स्मार्ट क्लास तथा एक कंप्यूटर लैब ,साथ ही बाउंड्री वॉल और भवन रिनोवेशन का लोकार्पण मुख्य अतिथि गोविंद जायसवाल आईएसएस संयुक्त सचिव शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार तथा अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक एडसिल द्वारा लोकार्पण किया गया । विद्यालय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन कर नमन किया गया तथा दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।प्रधानाचार्य बृजेश द्विवेदी द्वारा आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ,छात्राओं द्वारा सभी अतिथियों को स्वयं का बनाया बुके पेंट किया। विद्यालय की प्रबंध समिति की अध्यक्ष कविता साहनी द्वारा मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र तथा स्वतंत्रता सग्राम सेनानी प्रभु दयाल विद्यार्थी से जुड़ी



यादों का मोमेंटो भेंट किया ।अतिथियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रभु दयाल विद्यार्थी की समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर पुष्पार्चन कर नमन किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों द्वारा हेल्थ कैंप का निरीक्षण किया गया तथा एक-एक डॉक्टर से परिचय प्राप्त करते हुए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं को देखा गया। इस अवसर पर कैंप में उपस्थित मरीजों को जांच करके दवाएं तथा सभी को फर्स्ट एड किट प्रदान किया गया इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, आईपीएस मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र तथा स्वतंत्रता सग्राम सेनानी प्रभु दयाल विद्यार्थी से जुड़ी

प्रसाद, एडसिल के सीजीएम प्रदीप सिंह सिसोदिया डिटी जीएम नंदीश जी मैनेजर एम बी नदाफ , हेल्थ कैंप मैनेजर कुलदीप सिंह चौहान डॉक्टर शिवम डॉक्टर विशाल मिश्रा डॉक्टर साक्षी मिश्रा नर्सिंग स्टाफ लैब टेक्नीशियन रामसेवक साहनी ,उप प्रबंधक विशुनकुश साहनी विद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष कविता साहनी , प्रबंध समिति की कोषाध्यक्ष चमेली देवी,लक्ष्मी सिंह सोनाली देवी , अरुण लाल श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद,दिनेश धर द्विवेदी, दुर्गेश,राजन गोंड मुनीराम, शीतल मिश्रा गोपाल साहनी, रोहित चन्दन चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रकाश सिंह,खंड शिक्षा अधिकारी कमला

बिहार के सरकारी डॉक्टरों की तीन दिवसीय हड़ताल ओपीडी सेवाएं ठप, मरीजों को भारी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात

बिहार के सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल शुरू कर दी है। इसके कारण त्रिवेणीगंज में बाहरी मरीजों के इलाज (ओपीडी) की सेवाएं ठप हो गई हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सरकार उनके वेतन, सुरक्षा और स्टाफ की कमी जैसी समस्याओं का समाधान नहीं कर रही है। हड़ताल के कारण मरीजों को भारी परेशानी हो रही है, खासकर ग्रामीण इलाकों के मरीजों को, जो सरकारी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ (भासा) ने बायोमेट्रिक हाजिरी, प्रशासनिक दबाव और कर्मचारियों की कमी जैसे मुद्दों का विरोध करते हुए हड़ताल बुलाई थी। हालांकि, हड़ताल केवल ओपीडी सेवाओं तक ही सीमित रही, जबकि आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाएं अप्रभावित रूप से चलती रहीं। डॉ. उमेश कुमार ने कहा, सरकार हमारी मांगों पर चुप है,



जिससे हमें काम छोड़ने का फैसला करना पड़ा। हमने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है और कई स्थानों पर जिला मजिस्ट्रेट भी डॉक्टरों के प्रति गलत व्यवहार कर रहे हैं। एक

अस्पताल अधिकारी ने कहा, गरीब मरीज, पड़ा। हमने गुरुवार से तीन दिन की हड़ताल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है और कई स्थानों पर जिला मजिस्ट्रेट भी डॉक्टरों के प्रति गलत व्यवहार कर रहे हैं। एक

सेवा ,सुरक्षा और सुशासन के आठ वर्ष पुरे होने पर कार्यक्रम हुआ आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

सुरसान्हदोई प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा और सुशासन के आठ वर्ष पुरे होने पर सुरसा विकास खंड कार्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमे प्रदेश सरकार की शिक्षा स्वास्थ्य,और विकास की उपलब्धियों को दर्शाया गया। शौचालय निर्माण के लिए व किसान सम्मान निधि के साथ बेटियों का अन्नप्राशन करवाया गया।साथ ही लाभार्थियों को अंत्योदय राशन कार्ड भी वितरित किये गए तथा कुपोषित मुक्त बच्चों को सर्टिफिकेट दिए गए ब्लाक परिसर सभागार में आयोजित हुए कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि गौरव सिंह ने बताया की भागपा सरकार के आठ वर्षों में शिक्षा स्वास्थ्य के साथ ही विकास पर फोकस रहा। विधानसभा के सैकड़ों असहाय गरीब लोगों को मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज के लिए राशि मुहैया करवाई गई। ग्रामीण



क्षेत्रों में विकास की अधूरी रहीं सड़कों को मजबूत किया गया।बिजली पानी चिकित्सा जो आम आदमी की जरूरत है उसको समाज के अतिम व्यक्ति तक पहुंचाया गया।ब्लाक कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि गौरव सिंह ने बताया की भागपा सरकार के आठ वर्षों में शिक्षा स्वास्थ्य के साथ ही विकास पर फोकस रहा। विधानसभा के सैकड़ों असहाय गरीब लोगों को मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज के लिए राशि मुहैया करवाई गई। ग्रामीण

देखने को मिले। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग कृषि विकास राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन खाद्य एवं रसद विभाग व पंचायती राज विभाग के स्टालों के माध्यम से लोगों को विभागीय जानकारीयां दी गई।इस मौके पर अतिरिक्त प्रभार एसडीएम व खंड विकास अधिकारी कविता अवस्थी, जिला महामंत्री ओम वर्मा मण्डल अध्यक्ष श्याम जी मिश्रा निर्वर्तमान मंडल अध्यक्ष रजनीश वर्मा सत्यपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

कटेया के वैष्णव मठ पर मनाया गया हिन्दू वाहिनी का स्थापना दिवस : राजीव रंजन पाण्डेय

स्वतंत्र प्रभात

गोपालगंज (कटेया)- जिले के कटेया प्रखंड अन्तर्गत कटेया के प्राचीन वैष्णव मठ के पावन एवं पवित्र धरती पर हिन्दू वाहिनी का स्थापना दिवस प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन की अध्यक्षता में बहुत धूम धाम से मनाया गया आभोको बता दें हिन्दू वाहिनी की मासिक बैठक साल के बारहों महीने में बड़ी सालिनता तथा व्यवहारिक रूप में की जाती हैं हिन्दु वाहिनी की मासिक बैठक संगठन के विस्तार के लिए की जाती हैं एक बात चित में हिन्दू वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय ने बताया कि यह हिन्दू वाहिनी एक ऐसा संगठन है जिसमें भारत माता कि आन बान शान को बचाये रखने के लिए बड़ी मधुरता और शालीनता के रूप में कार्य किया जाता हैं हिन्दू वाहिनी के पदाधिकारियों एवं समस्त सदस्यों के द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए विशेष रूप से बैठक किया जाता हैं तथा किया जाता रहेगा पाण्डेय ने बताया कि हिन्दू वाहिनी में जुड़े हुए लोग अपने जीवन से संबन्धित तथा अपने परिवार के लिए कम लेकिन जन के कार्यों में ज्यादा समय लगाते हैं उन्होंने बताया कि हिन्दू वाहिनी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा महीने में एक बार बैठक जरुरी रूप में की



जाती हैं हिन्दू वाहिनी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय बताते हैं कि हिन्दू वाहिनी एक पारिवारिक संगठन के रूप में कार्य करता हैं इसमें जितने पदाधिकारी एवं प्रभारी नवल किशोर चौबे, प्रखंड अध्यक्ष अजीत चौबे, प्रखंड प्रभारी अनु दास जी महाराज, जिला मीडिया प्रभारी शैलेश कुमार तिवारी, एवं अन्य पदाधिकारी सदस्य तथा वैष्णव मठ के कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद पदाधिकारी एवं सदस्य बैठक में बड़ी

शालीनता से अपनी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश मिश्र, जिला प्रभारी नवल किशोर चौबे, प्रखंड अध्यक्ष अजीत चौबे, प्रखंड प्रभारी अनु दास जी महाराज, जिला मीडिया प्रभारी शैलेश कुमार तिवारी, एवं अन्य पदाधिकारी सदस्य तथा वैष्णव मठ के कार्यकर्ता भी मौके पर मौजूद पदाधिकारी एवं सदस्य बैठक में बड़ी

सिलापथार में केन्द्रीय महासती जयमती स्मृति दिवस 2025 पालन

स्वतंत्र प्रभात

पधेमाजी असम। सिलापथार शाखा नाट्य सम्मेलन, सिलापथार शाखा साहित्य सभा, सिलापथार आंचलिक ताई अहोम छत्र संस्था, सिलापथार क्षेत्रीय असम जातीयतावादी युवा छत्र परिषद और सिलापथार लेखक और महिला समाज ने आज सिलापथार पब्लिक हॉल में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ सिलापथार केन्द्रीय महासती जयमती स्मृति दिवस 2025 का आयोजन किया। सुबह सामूहिक सफाई, वृक्षारोपण, ध्वजारोहण और शहीदों की श्रद्धांजलि अर्पण के बाद सिलापथार शहर में विशाल सांस्कृतिक जुलूस निकाला गया। दोपहर का सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायन और नृत्य के साथ शुरू हुआ। जिसमें सिलापथार क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आमंत्रित कलाकारों ने आई नाम, बिया नाम, मरान बिहू, बिहू नृत्य, जंग बिहू, देउरी, सोमवाल, मिर्चिग लोक नृत्य और आहूम लाओ लुंग खाम नृत्य प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त शिक्षक लखीनाथ बोड़ा द्वारा की गई स्वागत समारोह के बाद शिक्षाविद् चित्रा



बरगोहाई के अध्यक्षता में एक बैठक किया गया, बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में शिवसागर से निजरा हैडीकी ने भाग लिया

और,सती साधिनी की जयमती, मूला गवर् और कनकलता के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने अहोमों की वीरता और वृहत्तर असम के निर्माण में आहूम लोगों की योगदान के बारे में भी विस्तार से बताया। बैठक में धेमाजी जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष बिनोद गोर्गोई, सिलापथार शाखा साहित्य समिति के अध्यक्ष विजय कोव्वर, शिक्षाविद् गकुल शैकिया, सामाजिक कार्यकर्ता दुलाल बरुआ, स्वागत समिति सलाहकार भूगेश ताये सहित भारी संख्या में लोगों शामिल हुए।

टैबलेट और स्मार्ट फोन विद्यार्थियों के लिए रोजगार सृजन के अनेक अवसरों को उपलब्ध कराने वाला साबित होगा : कुलपति प्रोफेसर कविता शाह

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत उत्तर प्रदेश में अध्ययनरत युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टैबलेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षण संस्थानों के ध्वजवाहक होते हैं। उनकी कौशल और दक्षता से शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ समाज की भी प्रगति होती है। प्रसन्नता का विषय है की छात्राएं भी अब हर क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्य कर रही हैं। युवाओं की दक्षता और क्षमता विकसित भारत के परिकल्पना को साकार रूप देने में अग्रणी है। उत्तर प्रदेश में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित किये जा रहे हैं। तकनीकी सहयोग के लिए निशुल्क टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण विद्यार्थियों के रोजगार सृजन के अनेक अवसरों को उपलब्ध कराने वाला साबित होगा। विश्वविद्यालय में बहुत से नवाचार हो रहे हैं। विद्यार्थी केंद्रित इन नवाचारों के माध्यम से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बन सकेगी। जिससे यहां के पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध होगा। शिक्षण संस्थानों के साथ विद्यार्थियों के रागात्मक संबंध संस्थान के प्रगति के लिए आवश्यक होता है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पुरातन छात्र



को इस हेतु अपने साथ जोड़ने के अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर सदर विधायक श्याम धनी राही ने कहा कि मुख्यमंत्री की चिंता में और केंद्र में युवा सर्वाधिक आगे हैं। इसलिए युवाओं पर केंद्रित अनेक कार्यक्रम और संसाधनों के माध्यम से सहयोग का कार्य उत्तर प्रदेश की सरकार कर रही है। टैबलेट एवं स्मार्ट वितरण का महा अभियान भी उसी का एक हिस्सा है। विद्यार्थी इसका सकारात्मक उपयोग करें निश्चित रूप से उनका भविष्य में मजबूत बनाने में आत्म निर्भर बनाने में सहायक आचार्य अनुज ने किया,उन्होंने कहा कि कई पोर्टल पर विद्यार्थियों को तकनीकी सहयोग के लिए शासन ने व्यवस्था की है। जिसके माध्यम से उनको प्रतियोगी परीक्षाओं

से संबंधित कार्यों के लिए अनेक प्रकार के सहयोग प्राप्त हैं। विद्यार्थी के हाथ में यदि स्मार्टफोन है तो आज की तिथि में वह दुनिया की सारी जानकारी से अपने को संपन्न कर सकता है और बड़े-बड़े शिक्षण संस्थानों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माध्यम से अपना स्थान बना सकता है ।कार्यक्रम में कुल सचिव डॉक्टर अमरेंद्र कुमार सिंह भी मंच पर उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर नीता यादव ने किया। संचालन डॉक्टर अविनाश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय एवं आइक्यूएसी के निदेशक प्रोफेसर सौरव श्रीवास्तव कल अनुशासक प्रोफेसर दीपक बाबू रमयान विज्ञान के आचार्य डॉक्टर बलिराम सहित शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे। टैबलेट वितरण कार्यक्रम में 78 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

कोसीकलां पुलिस ने दो गौ तस्क़र को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। कोसीकलां पुलिस ने दो अन्तर्राज्यीय गौ तस्क़रों को चोरी की ईको गाड़ी सहित गिरफ्तार किया है। इनके पास से 1060 ग्राम नशीला पाउडर और अन्य सामान बरामद हुआ है। प्रभारी निरीक्षक थाना कोसीकलां अजीत सिंह ने बताया कि चैकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग के पास सदिग्ध लोगों को खड़ा देखा। पुलिस को देखकर ये लोग भागने लगे। पुलिस टीम ने आवश्यक बल प्रयोग कर आरिफ पुत्र रमजानी निवासी बाजिन्दपुर थाना पिनूआ जिला नूह हरियाणा और मुफ्फ़ी उर्फ मुफ्फ़ी पुत्र हक्कू निवासी उटावड थाना उटावड जिला पलवल को पकड़ लिया। इन्होने भागे साथी का नाम मक्कू उर्फ मकसूद पुत्र असरु निवासी ग्राम जखोपर थाना बिछौर नूह बताया है।



विधवा महिला ने घर में घुस कर मारपीट का लगाया आरोप,एसपी से लगाई न्याय की गुहार

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के धनोहरी गांव निवासी एक विधवा महिला ने घर में घुस कर मारपीट का आरोप लगाया है।पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर डुमरियागंज पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के धनोहरी गांव निवासी विधवा महिला मालती पत्नी स्व.कमल किशोर ने एसपी को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया है कि 21 मार्च को शाम करीब सात बजे घर के भीतर मिट्टी का चूल्हा बना रही थी।इसी समय गांव के बृज व वासुदेव पुत्र राम लखन घर में घुसे और गाली गलौज करते हुए ईट,पत्थर,व लात घूसे से काफी मारा पीटा,शोर सुनकर बीच बचाव करने आई पतोहू को मार पीट कर घायल कर दिया जिसमें हम दोनों को काफी चोट आई।पूरे घटना की जानकारी डुमरियागंज पुलिस को दिया, डुमरियागंज पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र में काम करने हेतु, इच्छुक एवं अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

खबरों का सच्चा साथी, स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात के ऑनलाइन चैनल को काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

स्वतंत्र प्रभात

खबरों का सच्चा साथी

अपना बायोडाटा भेजें

9511151254

आवाज उठाएं जुर्म के खिलाफ

www.swatantraprabhat.com

आरोपियों ने बताया कि तीनों मिलकर रात में गौवंशों को ब्रेड मे नशीला पाऊडर भरकर छिंता देते हैं, अचेत होने पर ये लोग गौवंशों को गाड़ी में लादकर ले जाते हैं। राजस्थान हरियाणा के मेवात क्षेत्र मे ले जाकर गौवंशों को काटकर बेच देते हैं। पकड़ने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कस्बा कोसीकलां निरीक्षक सुधीर सिंह, चौकी प्रभारी बटैनगेट अंकित मलिक, चौकी

प्रभारी ज़िंदल चौराहा उत्तम चौहान, मनमोहन शर्मा आदि शामिल हैं। पुलिस के खिला देते हैं, अचेत होने पर ये लोग गौवंशों को गाड़ी में लादकर ले जाते हैं। राजस्थान हरियाणा के मेवात क्षेत्र मे ले जाकर गौवंशों को काटकर बेच देते हैं। पकड़ने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कस्बा कोसीकलां निरीक्षक सुधीर सिंह, चौकी प्रभारी बटैनगेट अंकित मलिक, चौकी